

संपादकीय

बिचौलियों पर नकेल

किसान को उसकी फसल का वाजिब मेहनताना दिलाने के लिये मंडियों में सीधी उपज बेचने की अनुमति देना नि:संदेह हरियाणा सरकार की सार्थक पहल ही कही जायेगी। हालांकि, अभी पहले चरण की योजना में फल-सब्जी उत्पादक किसान ही शामिल होंगे, लेकिन कालांतर कृषि विभाग की इस प्रस्तावित योजना में सभी अनजों की बिक्री आदतियों की दखल के बिना किसान सीधे मंडियों में कर पायेंगे। यह विडंबना ही है कि आजादी के सात दशक बाद भी किसान को उसकी उपज का न्यायसंगत दाम नहीं मिल पा रहा है। कैसी विसंगति है कि किसान खून-पसीना बहाकर उपज पैदा करता है और उसकी मेहनत व लागत का मूल्य कोई और तय करता है। अनाज की कीमत तय करने में भी न्याय का पलड़ा हमेशा बिचौलिये के पक्ष में ही झुका रहता है। विडंबना देखिये कि मौसम की मार या अन्य कारणों से फसल खराब होती है तो उसकी कीमत भी किसान को चुकानी पड़ती है। यदि फसल भरपूर हो तो सब्जी, फल या अनाज की आपूर्ति बढ़ने से उपज के दाम गिरा दिये जाते हैं। तो बाजार में फसल कम होने से जो खाद्य पदार्थों के दाम आसमान छूने लगते हैं, उसका मुनाफा किसकी जेब में जाता है सही मायनो में बिचौलिये एक ऐसी परजीवी जमात के रूप में पूरे देश में फल-फूल रहे हैं, जो निरंतर संपन्न होते गये और किसान के हिस्से में सिर्फ बढहाली ही आई। पिछले दिनों हरियाणा सरकार ने मंडियों में किसानों की उपज खरीद ऑनलाइन करके मुनाफा सीधे किसानों के खाते में भेजने की कोशिश की थी, मगर आदतियों के विरोध के कारण यह योजना सिरे नहीं चढ़ सकी। सरकार यदि अपने फंसले पर दृढ़ रहे और किसान की उपज को सीधे मंडियों में बेचने की अवरोध रहित व्यवस्था कर दी जाये तो किसान को वास्तव में उपज का न्यायसंगत दाम मिल सकेगा।

नि:संदेह हरियाणा सरकार की प्रदेश की मंडियों में किसानों को सीधे उत्पाद बेचने की योजना रचनात्मक पहल है। इसमें किसानों को आदतियों की तरह मार्केटिंग बोर्ड से लाइसेंस लेने की भी आवश्यकता भी नहीं होगी। निश्चय ही इस प्रयास से सरकार द्वारा परंपरागत फसलों के किसान पर फसलों के विविधीकरण की योजना को भी सिरे चढ़ाने में बल मिलेगा। दरअसल, गैर परंपरागत फसल को उपभोक्ता तक पहुंचाने में किसान को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। यही वजह है कि वह फसलों के विविधीकरण से कतरता रहा है। वहीं जो किसान जैविक खेती करते हैं और बाजार में उसकी बढ़ी कीमत चाहते हैं, उन्हें भी राज्य सरकार की मंडियों में सीधे उत्पाद बेचने की योजना से फायदा होगा। वे वाजिब दामों पर फसल बेचकर अपना जीवन स्तर सुधार सकते हैं। सही मायनो में इससे किसानों की आय बढ़ाने की सरकार की योजना को सकारात्मक प्रतिसाद मिलेगा। इसी क्रम में कुछ गांवों को जोड़कर ‘ग्राम हाट’ बनाने की कृषि विभाग की योजना भी एक अभिनव पहल होगी। इस योजना में शामिल किसानों को हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड ‘फार्मर प्रोड्युज ऑर्गेनाइजेशन’ यानी एफपीओ का नाम दे रहा है। इसके माध्यम से किसान बिचौलियों के दबाव से मुक्त होकर खुद अपने उत्पाद बाजार में बेचने के लिये ला सकेगे। नि:संदेह यह योजना जहां तक किसान को स्वावलंबी बनायेगी, वहीं कमीशनखोरी से मुक्त होकर किसान की आय में वृद्धि हो सकेगी। अब तक राज्य में करीब 450 एफपीओ का सक्रिय होना बताता है कि किसान इस योजना से उत्साहित व प्रोत्साहित हैं। सरकार को चाहिए कि ऐसे किसानों को स्वाध्मन्न बेचने के लिये पर्याप्त जगह बिना जटिल प्रक्रिया के उपलब्ध कराये। इसके अलावा ऐसे किसानों को प्रोत्साहित करने के लिये रचनात्मक पहल करे। इस योजना का सीधा लाभ यह होगा कि उपभोक्ता भी ताजी सब्जी व फल उचित दाम में हासिल कर सकेगें। सरकार को राज्य में कृषि उपज के भंडारण व शीतगृह की शृंखला को भी बढ़ावा देना चाहिए।

पूजा डडवाल ने साइन की फिल्म, जल्द शुरू करेंगी शूटिंग

बॉलिवुड के दबंगसलमान खान की फिल्म वीरगति की हिरोइन पूजा डडवाल पिछले कई महीनों से मुफलिसी में अपना जीवन गुजार रही थीं। तब निर्देशक राजेंद्र शर्मा सामने आए और उन्होंने सबसे पहले पूजा के रहने और खाने की व्यवस्था की। उसके बाद पूजा काम की तलाश में जुट गई थीं, वे लगातार लोगों से मीटिंग कर ऑडिशन कर रही थीं।

पूजा ने बताया, मैंने एक फिल्म साइन कर ली है, लेकिन मैं इस



अंत तक

पूजा बताती हैं, इन दिनों मैं

ऑडिशन दे रही हूं। कई प्रड्यूसर्स से मिल चुकी हूं, सभी ने मुझे काम देने का आश्वासन दिया है। मैं अब भी लोगों से काम मांग रही हूं। मैंने फिल्मों के अलावा टीवी पर भी काम किया है। मुझे इस समय काम की बहुत जरूरत है, मैं लोगों से यही कहूंगी अगर आपके पास मेरे लायक कोई भी रोल हो तो आप मुझे काम दें। यह जो फिल्म मुझे मिली है, इस

फिल्म में मेरा काम सिर्फ एक हफ्ते का होगा, यह एक शॉर्ट फिल्म है। पूजा आगे कहती हैं, देखिए अब मैं पूरी तरह फिट हूं, किसी भी तरह का किरदार, जो मेरी उम्र और पर्सनैलिटी में फिट बैठेगा, मैं अच्छी तरह कर लूंगी। इस बीच मैं सलमान खान से भी मिलने की कोशिश कर रही हूं। इस शॉर्ट फिल्म के अलावा दिल्ली के एक प्रड्यूसर विजय शेखरजी के साथ म्यूजिक विडियो के शूटिंग की बात चल रही है।

सड़क 2 करने के लिए तैयार हुए संजय दत्त

बॉलिवुड ऐक्टर संजय दत्त के फैंस उनकी आने वाली फिल्म सड़क 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में महेश भट्ट भी लंबे समय बाद डायरेक्शन की फील्ड में लौट रहे हैं। संजय दत्त और महेश भट्ट 1986 में आई फिल्म नाम के लिए एकसाथ आए थे। इसके बाद से ही दोनों के बीच का बॉन्ड काफी मजबूत हो गया।

हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान सड़क 2 के बारे में बात करते हुए संजय ने कहा कि वे फिल्म का काफी हिस्सा शूट कर चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महेश हमेशा उत्साह से भरे रहते हैं और वह आज



तक बदले नहीं हैं।

संजय ने कहा कि डायरेक्टर ने आज के समय के हिस्ाब से स्टोरी तैयार की है। महेश ने कई घंटे इसमें लगाए हैं और जिस तरह की कोशिश उन्होंने यंग टीम को लीड करने में दिखाई है, वह अद्भुत है।

ऐक्टर ने आगे कहा कि जब वह पीछे पलटकर देखते हैं, उन्हें लगता है कि सड़क जैसी कहानी को आगे ले जाना जायज है। उन्होंने पहले पूजा भट्ट से इस बारे में बात की, उसके बाद उन्होंने इसे आगे ले जाने के बारे में सोचा।

सू-दोक्- 10

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम		सू-दोक् क्र.09का हल													
1. कुल 81 वर्ग हैं,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनाता है।		2	6	3	9	8	7	1	5	4					
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।		8	5	1	3	2	4	6	7	9					
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।		9	4	7	1	5	6	8	2	3					
		3	9	8	6	7	1	5	4	2					
		6	1	2	5	4	3	9	8	7					
		5	7	4	8	9	2	3	1	6					
		1	2	6	7	3	5	4	9	8					
		4	8	5	2	6	9	7	3	1					
		7	3	9	4	1	8	2	6	5					

शब्द सामर्थ्य- 10

बाएँ से दाएँ

1. कतार, क्रम, पाँत
2. लज्जत, जायका
4. कारण, वजह
7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना
8. चोड़े आदि का मल
9. अक्सर, ज्यादातर
10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना
12. धनुष, फौजी टुकड़ी
13. आभूषण, जेवर
15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, ध्रुवर
17. बायाँ, विरुद्ध
18. गाना, नागा
19. लाचार, विवश
- 22.

- नमन, प्रणाम
25. चौकी, थाना
26. इकरार, समझौता, ठेका
27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है
2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भयम
3. दन-दन करते हुए
5. बलशाली, बलवाला
6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना
7. चाँद, चंद्रमा, रजनीश
- 11.

- अप्रिय, अरुचिकर
14. मैं का बहुवचन
15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मेला साफ करने वाली
16. मातृभूमि, स्वदेश
19. मक्खन, माखन
20. बुढ़ापा, धन, ज़र
21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना
23. सीमा, हद्द
24. सी का पाचंचा हिस्सा
25. चोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंडल।

1			2	3		4	5	6
			7					
							8	
9					10			11
			12				13	14
15	16						17	
18				19	20			21
		22	23					
						24		25
26								
</								

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 09 का हल

वि	ज	य	ब	नि	या	दे
वा		ती	त	र	रा	जी व
ह	मा	म		स	प	ना ता
		न			टा	
दा	व	त		वि	ना	श अ
य		ह	त्या		ह	जां ना
रा	ह		न	ज	र	व
	वा			मी	ना	श्य
दु	ला	रा	जा	न	की	क

अब मालगाड़ियों के लेट होने पर मिलेगा हर्जाना

नईदिल्ली

(आरएनएस)। तेजस एक्सप्रेस ट्रेन की तर्ज पर अब मालगाड़ी के भी लेट होने पर हर्जाना मिलेगा। यह बात रेलमंत्री पीयूष गोयल ने एक कार्यक्रम में कही।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के स्थापना दिवस पर उन्होंने कहा कि मालगाड़ियों और पैसेंजर गाड़ियों के तेज परिचालन के लिए दोनों को अलग-अलग ट्रैक की जरूरत है। उन्होंने मालगाड़ी



के लेट होने पर ग्राहकों को हर्जाना देने की वकालत की।

रेलमंत्री ने इंडियन रेलवे कैटरिंग ऐंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन का जिम्मा किया जो तेजस एक्सप्रेस ट्रेन के परिचालन में विलंब होने पर यात्रियों को मुआवजा यानी हर्जाना भरती है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल को मालगाड़ियों का

परिचालन भी रेलपथ का अधिकतम उपयोग के साथ करना चाहिए और मालगाड़ियों की औसत चाल बढ़ानी चाहिए। गोयल ने 500 किलोमीटर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पुरा करने के लिए डीएफसीसीआईएल को बधाई दी और मार्च, 2020 तक 991

किलोमीटर के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उसे प्रेरित किया।

रेलमंत्री ने मालगाड़ियों का परिचालन तय समय-सारणी के अनुसार करने की जरूरत पर बल दिया। डीएफसीसीआईएल के चेयरमैन विनोद कुमार यादव ने कहा कि रेलवे तीन महत्वपूर्ण क्षेत्र- कॉन्सोलिडेशन, डिवेलपमेंट और इम्प्रूवमेंट पर काम कर रहा है। यादव ने कहा कि भारतीय रेल अपने नेटवर्क को अपग्रेड कर रही है, खासतौर से दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा रूट पर तीव्रगामी और आधुनिक ट्रेनों का परिचालन करने की दिशा में प्रयासरत है। डीएफसीसीआईएल के प्रबंध निदेशक अनुराग सचान ने भरोसा दिलाया कि चालू परियोजनाओं को तय समय पर पूरा किया जाएगा।

ट्रंप ने चीन व्यापार समझौते को उम्मीद से कहीं बेहतर बताया



युद्ध पर विराम का संकेत देता है। अस्टिन में एक रैली में रविवार शाम को ट्रंप ने कहा, “यह हमारे पूरे देश के लिए एक अभूतपूर्व सफलता है।” उन्होंने कहा, “मुझे ऐसा लगता है कि चीन यह साबित करने के हरसंभव प्रयास कर रहा है कि जिस समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं वह एक अच्छा समझौता है। जितना मैंने सोचा नहीं था, यह हमारी उम्मीद से कहीं अधिक बड़ा और बेहतर है।” ट्रंप ने बीजिंग के साथ संबंधों में नए अस्थायी की भी सराहना की और कहा, “बीते कई वर्षों के मुकाबले इस वक्त चीन के साथ हमारे संबंध सबसे अच्छे हैं।

आस्टिन (आरएनएस)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीजिंग के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से पिछले हफ्ते किए गए व्यापार समझौते की रविवार को सराहना की और कहा कि यह समझौता उम्मीद से कहीं बेहतर है। यह ‘पहले चरण’ का समझौता दोनों देशों के बीच करीब दो वर्ष से जारी व्यापार युद्ध पर विराम का संकेत देता है। अस्टिन में एक रैली में रविवार शाम को ट्रंप ने कहा, “यह हमारे पूरे देश के लिए एक अभूतपूर्व सफलता है।” उन्होंने कहा, “मुझे ऐसा लगता है कि चीन यह साबित करने के हरसंभव प्रयास कर रहा है कि जिस समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं वह एक अच्छा समझौता है। जितना मैंने सोचा नहीं था, यह हमारी उम्मीद से कहीं अधिक बड़ा और बेहतर है।” ट्रंप ने बीजिंग के साथ संबंधों में नए अस्थायी की भी सराहना की और कहा, “बीते कई वर्षों के मुकाबले इस वक्त चीन के साथ हमारे संबंध सबसे अच्छे हैं।

लीबिया में पाइपलाइन बंद होने से 10 दिनों की ऊंचाई पर कच्चा तेल

नईदिल्ली (आरएनएस)। तनावग्रस्त लीबिया से कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से सोमवार को तेल के दाम में एक फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का भाव तकरीबन 10 दिनों की ऊंचाई पर चला गया है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में आई तेजी से घरेलू वायदा में भी तेल के भाव में तेजी का रशान बना हुआ था।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर कच्चे तेल के फरवरी अनुबंध में पूर्वाह्न 10.50 बजे 57 रुपये यानी 1.37 फीसदी की तेजी के साथ 4,219 रुपये प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था, जबकि इससे पहले तेल का भाव

4,222 रुपये प्रति बैरल तक उछला।

अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई) पर

तेल ब्रेंट क़रूड के मार्च

डिलीवरी अनुबंध में

1.31 फीसदी की तेजी

के साथ 65.70 डॉलर

प्रति बैरल पर कारोबार

चल रहा था जबकि इससे

पहले ब्रेंट क़रूड का भाव

66 डॉलर प्रति बैरल तक

उछला। बीते नौ जनवरी के बाद का ब्रेंट

क़रूड के दाम का यह सबसे ऊंचा स्तर है।

वहीं, न्यूयार्क मर्के टाइल एक्सचेंज

(नायमैक्स) पर अमेरिकी लाइट क़रूड

वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई)

के मार्च डिलीवरी अनुबंध में 1.14 फीसदी

की तेजी के साथ 59.25 डॉलर प्रति बैरल

पर कारोबार चल रहा था।

काफी लंबे अरसे से

राजनीतिक अस्थिरता के दौर से

गुजर रहे लीबिया की ताजा

घटना से तेल की आपूर्ति

प्रभावित होने की आशंकाओं से

कीमतों में तेजी आई है। लीबिया

में फौज द्वारा एक पाइपलाइन को

बंद किए जाने के बाद नेशनल ऑयल

कॉर्पोरेशन ने कहा कि उसने दक्षिण-पश्चिम

इलाके में दो ऑयलफील्ड को बंद करना

शुरू कर दिया है।

63 भारतीयों के पास है देश के बजट से भी ज्यादा धन

» ऑक्सफैम की रिपोर्ट का खुलासा

नईदिल्ली (आरएनएस)। दावोस में चल रहे वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि विश्व के 2153 अरबपतियों के पास 4.6 अरब लोगों (विश्व की जनसंख्या का 60 फीसदी) के मुकाबले ज्यादा संपत्ति है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के एक फीसदी अमीरों के पास 70 फीसदी आबादी (करीब 953 मिलियन) की कुल संपत्ति का चार गुना धन है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के 63 अरबपतियों के पास बजट से ज्यादा धन है। 2018-19 में भारत का बजट 24 लाख 42 हजार 200 करोड़ रुपये था। इस रिपोर्ट में साफ-साफ

कहा गया है कि पूरे विश्व में आर्थिक असमानता बहुत तेजी से फैल रही है। अमीर बहुत तेजी से ज्यादा अमीर हो रहे हैं। पिछले एक दशक में अरबपतियों की संख्या में काफी तेजी आई है। हालांकि पिछले साल उनकी कुल संपत्ति में गिरावट दर्ज की गई है।

ऑक्सफैम इंडिया के सोईओ अमिताभ बेहर ने कहा कि अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई तब तक नहीं कम होगी, जब तक सरकार की तरफ से इसको लेकर ठोस कदम नहीं उठाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि असमानता दूर करने के लिए सरकार को गरीबों के लिए विशेष नीतियां अमल में लानी होगी।



पिछले साल की तरह न्यू जीलैंड को पहली गेंद से दबाव में लाना चाहेंगे:कोहली

बेंगलुरु। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में जीत और पिछले साल न्यू जीलैंड में अच्छे प्रदर्शन से उनकी टीम 24 जनवरी से शुरू होने वाले दौर को लेकर आत्मविश्वास से भरी है। विराट का लक्ष्य कीवी टीम को पहली गेंद से ही दबाव में रखना होगा। भारतीय टीम न्यू जीलैंड दौरे में पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय, तीन एकदिवसीय और दो टेस्ट मैच खेलेगी। पिछले साल भारत ने न्यू

जीलैंड को वनडे में 4-1 से हराया था लेकिन टी20 सीरीज वह 1-2 से गंवा बैठा था।

कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे में सात विकेट से जीत के बाद कहा,

‘(न्यू जीलैंड में) पिछले साल के प्रदर्शन से

हमारा काफी आत्मविश्वास बढ़ा है। हमें कैसे खेलना है, इसको लेकर

बेहद सकारात्मक थे, हम क्या करना चाहते हैं इसको लेकर बहुत सुनिश्चित थे।

विदेशों में खेलने पर अगर आप

घरेलू टीम को

दबाव में रखने में सफल रहते हो

तो फिर आप अपनी क्रिकेट का आनंद ले सकते हो।’ उन्होंने कहा,